द्वितीय वर्ष

# संकुल स्त्रोत केन्द्रों में मासिक बैठक हेतु

अंक – 10

# चर्चा पत्र – मार्च 2017

*जरुरत अनुसार पानी का कीजिए उपयोग ।*

*जल बचाव मे आपका होगा सहयोग ॥*

"विश्व जल दिवस" (22 मार्च)

राज्य परियोजना कार्यालय, राजीव गाँधी शिक्षा मिशन, रायपुर छ.ग.

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

## आमुख

शिक्षकों के साथ मिलकर संकुल स्तर पर अकादमिक चर्चाओं के आयोजन हेतु राज्य स्तर से तैयार किए जा रहे चर्चा पत्र के दूसरे वर्ष का दसवां और अंतिम अंक आपको उपलब्ध कराते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है | इस प्रकार अब तक हम चर्चा पत्र के कुल बीस अंक निकाल चुके हैं | आपसे इन चर्चा पत्र के संबंध में अच्छा ही सुनने एवं पढने को मिला है | सभी ने इस माध्यम से संकुलों में अकादमिक चर्चाओं के दौर विकसित करने एवं शालाओं में सीधे कई नवीन आइडियाज को लागू करने में सहयोग मिलने की बात कही है | बिना किसी व्यय के राज्य स्तर पर आप सभी के सहयोग से इसे विकसित कर व्हाट्सएप्प के माध्यम से सीधे इसे जिलों, विकासखंडों एवं संकुलों से लेकर शिक्षकों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है | प्रतिमाह शिक्षकों व्दारा इसे व्यग्रता से इन्तजार करने की जानकारी भी क्षेत्र से मिलती रहती है | आप सभी का सही फीडबैक हमें इसे और बेहतर करने में मार्गदर्शन दे सकता है | इस हेतु आपसे अपेक्षा है कि चर्चा पत्रों के आयोजन से संबंधित विभिन्न मुद्दों एवं कक्षाओं में **उसके प्रभाव के बारे में कुछ वीडियोज आपके मोबाइल से बनाकर हमें भेजें |**

चर्चा पत्र के दो वर्ष पूरे होने पर हमें इसके माध्यम से कक्षाओं में हुए प्रभाव पर चिंतन करना आवश्यक है | कक्षा के भीतर विभिन्न दिशाओं की जानकारी लिखने से लेकर, कागज़ के खिलौने. विज्ञान के सरल प्रयोग, विभिन्न शिक्षण विधियों की जानकारी देते हुए उन्हें कक्षा में लागू करने के कई उदाहरण आपने अपने आसपास महसूस किए होंगे | प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से एक दूसरे से सीखना, माताओं का उन्मुखीकरण, प्रिंट रिच वातावरण, वाल मैगजीन, प्रशिक्षण प्रक्रिया में सुधार. बच्चों को छोटे-छोटे समूह में सीखने के अवसर देना और सबसे महत्वपूर्ण, शिक्षकों का मोटिवेशन, ये सभी बेहतर तरीकों से और विस्तार से बहुत सी शालाओं में पिछले कुछ दिनों से होना प्रारंभ हो गया है | अगले सत्र प्रारंभ होने के पूर्व हमें इन सब मुद्दों पर चिंतन कर सुधार के लिए कार्ययोजना बनानी होगी | अगले वर्ष से यह कोशिश होगी कि बैठक या किसी अन्य कार्य के नाम से शिक्षकों को अध्यापन से विमुख न किया जाए और उनका अधिकतम समय कक्षा के भीतर बच्चों को सक्रिय रखने में व्यतीत हो | इस बार शाला प्रारंभ होने से पूर्व प्राथमिक स्तर पर अंग्रेजी किट पर आधारित प्रशिक्षण का आयोजन किया जाना है | इसके अलावा अन्य सभी क्षमता विकास कार्यक्रम यथाशीघ्र संपन्न किए जाने है | पूर्व में साझा किए गए अंक में School Education Quality Index (SEQI) की जानकारी भी देखकर उसके अनुरूप अपने स्तर पर सुधार हेतु प्रयास करें | इस हेतु आपके सुझाव आमंत्रित हैं |

माह मार्च में होली का त्यौहार और विश्व जल दिवस मनाया जाना है | शिक्षक के रूप में हम रंगों की होली आपसी प्रेम एवं सद्भाव के साथ मनाते हुए पानी बचाने का भी संदेश दें ताकि पानी का अपव्यय से बच सके | और अंत में हमारे शिक्षक श्री द्रोण व्दारा भेजी गयी कविता आपके लिए प्रस्तुत है –

*होली आई सतरंगी रंगों की बौछार लाई, ढेर सारी मिठाई और मीठा मीठा प्यार लाई*
*आपकी जिन्दगी हो मीठे प्यार और खुशियों से भरी, जिसमें समाए सातों रंग*
*यही शुभकामना है हमारी !*

**अगले सत्र में पुनः नए कलेवर के साथ मिलने की आकांक्षा एवं होली की बहुत बहुत शुभकामनाओं के साथ !**

संकुलों में शिक्षकों के साथ अकादमिक चर्चाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गत शैक्षिक सत्र से राज्य परियोजना कार्यालय की ओर से आपको चर्चा पत्र तैयार कर भेजे जा रहे हैं | चर्चा पत्र तैयार कर आप तक पहुँचाने के उद्देश्य इस प्रकार हैं-

1. संकुल स्तर पर मासिक बैठकों के लिए अकादमिक मुद्दे आपके साथ शेयर करना
2. राज्य में कक्षाओं में गुणवत्ता सुधार हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन हेतु सुझाव देना
3. शिक्षकों को एक दूसरे से सीखने हेतु प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन कर प्रोत्साहन देना
4. शिक्षकों के नवाचारों को एक दूसरे के साथ शेयर करना और उन्हें प्रोत्साहित करना
5. देश-विदेश में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे विभिन्न कार्यों को राज्य के शिक्षकों के साथ शेयर करना

चर्चा पत्र में सामग्री को प्रस्तुत करने हेतु Think Globally, act locally तरीके को अपनाया जाता है | आपके समक्ष किसी मुद्दे को रखते हुए उसे अपने क्षेत्र में, अपनी परिस्थितियों में कैसे लागू किया जाना चाहिए, इसे तय करने का काम आपपर यानि संकुल पर शिक्षकों के साथ चर्चा कर तय करने की जिम्मेदारी दी जाती है | राज्य स्तर से इन मुद्दों पर कोई निर्देश सीधे नहीं दिए जाते, केवल कुछ सुझाव मात्र दिए जाते हैं |

अब तक संकुल में चर्चा के लिए कुल बीस अंक निकल चुके हैं | इन सभी अंकों की प्रति अपने संकुल में संभाल कर रखते हुए सभी शिक्षकों के साथ निम्नलिखित गतिविधियाँ करवाएं-

चरण एक- कुल शिक्षकों की संख्या के आधार पर एक-एक चर्चा पत्र को पढने के लिए शिक्षकों के समूह को जिम्मेदारी देते हुए आधे से एक घंटे का समय निर्धारित करें | निर्धारित अवधि में शिक्षक उनको दिए गए अंक को अच्छे तरीके से पढेंगे |

चरण दो – पढने से पहले उन्हें बता देंगे कि चर्चा पत्र से क्या-क्या उन्हें अच्छा लगा, क्या-क्या हमें कक्षाओं में लागू करनी चाहिए, कोई कहानी, नवाचार आदि की जानकारी समूह को बारी-बारी से शेयर करना होगा |

चरण तीन- सभी समूहों की प्रस्तुतीकरण के आधार पर अपने संकुल में आगामी स्तर के प्रारंभ से क्या करना चाहिए, इसका निर्धारण कर रणनीति बनाएं |

चरण चार- संकुल की बैठकों को शालाओं को प्रभावित किए बिना और प्रभावी कैसे बनाएं, योजना बनाएं |

उपरोक्त आधार पर आपस में इन मुद्दों पर चर्चा करें –

- क्या हमने अपने संकुल में सभी बीस चर्चा पत्रों पर चर्चाओं का आयोजन नियमित रूप से किया है ?
- क्या सभी मासिक बैठकों में हमने सभी शिक्षकों को आमंत्रित करते हुए उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की है ?
- क्या हमने मासिक समीक्षा बैठकों में सभी एजेंडाओं पर पर्याप्त समय दिया है ?
- क्या हमने विषयवार एजेंडा को अलग-अलग शिक्षकों को प्रस्तुतीकरण की जिम्मेदारी दी है ?
- क्या हमारे संकुल से उन शिक्षकों से फोन पर चर्चा की है जिनकी जानकारी चर्चा पत्र में दी गयी है ?
- क्या हमने अपने संकुल में शिक्षकों का प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बनाकर उन्हें सक्रिय रखा है ?
- क्या अपने संकुल के शिक्षकों को प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया है ?
- क्या हमारे प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी को हमने राज्य स्तर के व्हाट्सएप्प समूह से जोड़ा है ?
- क्या हमने अपने संकुल की शालाओं में माताओं को सक्रिय रखने के लिए आवश्यक प्रयास किए हैं ?
- यदि नहीं तो किसी दिन सभी अंकों पर एक बार उन्मुखीकरण कर सकते हैं|

## एजेंडा दो: मिशन स्टेटमेंट्स-

आपको पूर्व में अपनी शाला के लिए मिशन स्टेटमेंट बनाने हेतु आवश्यक सुझाव चर्चा पत्र के माध्यम से दिए गए थे | इसकी प्रति पुनः व्हाट्सएप्प समूह में शेयर की गयी है और शाला सिद्धि की पठन सामग्री में भी इसका उल्लेख किया गया है | आपने अपने सहयोगी शिक्षकों, शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों, बच्चों, पालकों से साथ अपने शाला के लिए मिशन स्टेटमेंट बनाने हेतु आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन लेकर मिशन स्टेटमेंट को फायनल किया होगा | मिशन स्टेटमेंट एकदम फोकस और छोटा होना चाहिए जिसे आप निर्धारित समयसीमा में पूरा कर सकें | मिशन स्टेटमेंट के लिए आपको अपनी शाला के लिए एक विजन का निर्धारण भी कर लेना चाहिए ताकि इधर-उधर भटकाव न होने पाए |

मिशन स्टेटमेंट लिखने के लिए सबसे पहले www.shalasiddhi.nuepa.orgसाईट पर जाकर लॉग इन करना होगा | यदि आप पहली बार इस साईट का प्रयोग कर रहे हैं तो यूजर का विवरण यथा स्तर- स्कूल, यू-डाइस कोड, नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी देना होगा | ऐसा करने पर आपको मोबाइल में one time password OTP आएगा | फिर अपने शाला के लिए पासवर्ड तय करना होगा | ध्यान रखें कि आपको इस पासवर्ड को याद रखना होगा | पासवर्ड बनाने के लिए बेहतर होगा कि आप कोई लोजिक तय करें ताकि आपको अपना पासवर्ड याद रखने में आसानी हो | उदाहरण-

प्राथमिक के लिए केपिटल में P, उच्च प्राथमिक के लिए M एवं हाई एवं हायर सेकंडरी के लिएH तय किया जा सकता है | इसके बाद शाला के स्थान के आधार पर उसमे से तीन केरेक्टर लिए जा सकते हैं | उसके बाद @ का चिह्न लगाकर आप कोई संख्या जैसे 123 या आपके डाईस कोड के आखिरी तीन संख्या को ले सकते हैं | इसे याद करें और कहीं लिखकर रखें ताकि दुबारा उपयोग के समय याद रहे |

पासवर्ड डालते ही आपको विंडो खुलेगा जिसमे आप मिशन स्टेटमेंट वाले पेज में चले जाएं | शेष जानकारी यदि आपके पास फिलहाल तैयार नहीं हों तो सीधे मिशन स्टेटमेंट में **हिंगलिश में लिखें** और शेष जानकारी में ०० शून्य लिखते चलें | मिशन स्टेटमेंट पूरा करने के बाद आप सबमिट बटन दबा कर बाहर निकल सकते हैं | हिंगलिश अर्थात –skool me koee bachchaa E grade me nahi aayegaa

परन्तु केवल वेबसाईट में मिशन स्टेटमेंट लिखना हमारा उद्देश्य नहीं होना चाहिए | हमने इसे कुछ माह पूर्व आपके साथ शेयर किया था और आपने से अधिकांश लोगों ने इसे लिखा अभी होगा | अब इसे वेबसाईट में लिखने से पूर्व इस बात की समीक्षा करें कि आपके व्दारा तय किया गया मिशन स्टेटमेंट के अनुसार आपकी शाला ने कितनी प्रगति की है और क्या निर्धारित उद्देश्य को प्राप्त करने की ओर आपने कितना काम कर लिया है? यदि अभी भी आपको लगता है कि आपके स्कूल का मिशन स्टेटमेंट ठीक नहीं है तो इसे बदलकर ऐसा कुछ रखें जिसे आप प्राप्त कर सकें और बच्चों को इसका फायदा मिल सके | आपके स्कूल के हर कार्य में आपको मिशन स्टेटमेंट को ध्यान में रखना चाहिए | कुछ उदाहरण-

- हमारी शाला में बच्चों के ---- विषय की उपलब्धि में हम कम से कम ---- % का सुधार ---- के भीतर दिखा सकेंगे |
- हमारा गाँव शाला से बाहर के बच्चों के विहीन गाँव होगा | No out of School children in my village

- हमारे स्कूल के सभी शिक्षक कक्षाओं के लिए उपलब्ध समय का अधिकतम उपयोग सीखने के लिए करेंगे |
- हमारे स्कूल के शिक्षक विभिन्न प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के साथ जुड़कर अपनी कक्षा शिक्षण में लगातार निखार लाएंगे |
- हमारे शाला प्रबन्धन समिति/ माताओं से हम उनके बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार एवं उनसे समर्थन के क्षेत्रों पर सहयोग लेंगे |
- हमारे शाला के बच्चों के लिए हम समुदाय के सहयोग से नियमित रूप से उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था कर सकेंगे |
- हमारे शाला के बच्चों में नैतिक गुणों के विकास की दिशा में हम शिक्षक एवं समुदाय के साथ मिलकर काम करेंगे |
- खेल-खेल में सिखाने की विधा का हम अपनी कक्षाओं में नियमित उपयोग कर सीखने के अनुभव को रोमांचक बनाएंगे |
- हम अपनी शाला के बच्चों को प्रिंट-रिच वातावरण देते हुए समझ के साथ पढने की गति में सुधार लाएंगे |

**अपने संकुल की सभी शालाओं में मिशन स्टेटमेंट शाला सिद्धी वेबसाईट में प्रविष्टि तत्काल करना न भूलें | सौ प्रतिशत शालाओं की प्रविष्टि इसी माह हो जानी है | आशा है हम सब मिलकर इसे पूरा कर लेंगे |**

## एजेंडा तीन: Higher Order Thinking Questions (HOTS)-

पिछले अंक में हमने HOTS पर चर्चा की थी | उम्मीद है कि आप अब अपने विद्यार्थियों को इस प्रकार के प्रश्न पूछना शुरू कर चुके होंगे जिसमे उन्हें कुछ सोचने और स्वतंत्र चिंतन का अवसर मिल सके | इस अंक में आपको ऐसे प्रश्न बनाने के लिए कुछ वाक्य संरचनाओं से परिचय कराया जा रहा है ताकि आप अपनी परिस्थितियों में ऐसे प्रश्न स्वयं तैयार कर सके-

- उसके व्दारा.................... (कहानी में किसी के व्दारा ) ऐसा करने के पीछे का मकसद क्या हो सकता है ?
- आपके अनुसार वह .................. ऐसा करने से पहले क्या सोच रहा होगा ? उसके मन में क्या विचार आ रहे होंगे ?
- आपके अनुसार वह ................. इसके आगे क्या कदम उठा सकता है ? क्यों ?
- क्या आप बता सकते हैं कि उसके द्वारा ............... ऐसा किए जाने पर आगे उसके साथ क्या हो सकता है ?
- इन दो लोगों .................. के बीच आपके अनुसार कैसा संबंध है ?
- इस कहानी में वो कौन सा क्षण है जहां से आपको बदलाव दिखाई दिया ?
- यदि आपको इस समस्या का हल करने का अवसर दें तो आप इस समस्या से कैसे निपटेंगे ?
- यदि आपको इस कहानी में कुछ बदलाव करने का अवसर दिया जाए तो आप क्या बदलाव लाना चाहेंगे ?
- यदि आप कहानी के --- पात्र होते तो आप कैसी प्रतिक्रिया करते ?
- आपके पास इस कहानी कौन-कौन से सबूत हैं जो साबित करते हैं कि वह पात्र ---- ऐसा है ?
- आप कहानी के ................. इस चरित्र में कौन-कौन से बदलाव लाना चाहेंगे ?

- कहानी में ..... पात्र .....पात्र से अलग कैसे है ? उनमे क्या अंतर है ?
- क्या आप इस पूरी घटना को अलग तरीके से बता सकते हो ?
- क्या आपको इस कहानी को पढ़कर अपने जीवन की कोई अन्य घटना याद आ रही है ?

शिक्षकों को कुछ ऐसे प्रश्न देवें जिनसे उनकी HOTS पर समझ और अधिक विकसित हो सके और बच्चों से ऐसे प्रश्न करें |

शिक्षकों से चर्चा कर कुछ समूह बनाकर उनसे विषयवार / कक्षावार कुछ प्रश्न बनाने को कहें | उदाहरण-

- बच्चों की पढाई का नुकसान किए बिना स्कूलों में बच्चों को खेल-खेल में पूरे मनोरंजन के साथ कैसे पढ़ाया जा सकता है ?
- पानी यदि गोंद जैसे चिपकने लगेगा तो हमारे जीवन के क्या-क्या बदलाव या तकलीफें हो सकती हैं ?
- आपको बोतल, अनुपयोगी खिलौने, ईंट या कोई सामग्री मिले तो उसका रूटीन उपयोग के बदले अन्य उपयोग सुझाएँ |

**इन वाक्यों पर अपनी साझा समझ बनाने का प्रयास करें, विस्तार से चर्चा करें –**

Good teaching = Challenging students fixed beliefs and getting them to discuss issues

“I cannot teach anybody anything. I can only make them think.”

“I am not who I think I am.  I am not who you think I am. I am who I think you think I am.”

The direction in which education starts a man will determine his future life.

The one real goal of education is to leave a person asking questions.

He who asks a question is a fool for five minutes; he who does not ask a question remains a fool forever.

Invest a few moments in thinking. It will pay good interest.

Too often we give children answers to remember rather than problems to solve.

## एजेंडा चार: "मैं-करूं, हम-करें, तुम-करो"

**इस आलेख को बैठक में किसी शिक्षक/ कुछ शिक्षकों  व्दारा जोर से पढ़ने को कहें और अंत में कुछ प्रश्न पूछें -**

विद्यालय की पूरी व्यवस्था सीखने और सिखाने की प्रक्रियाओं पर केंद्रित रहती है। बच्चों से होने वाली नियमित बातचीत उसके विभिन्न पहलुओं को समझने के अवसर देती है। इस पूरी प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य शिक्षक छात्रों को विषयों के अध्ययन सामग्री के माध्यम से उनमें कल्पना, अनुमान, विश्लेषण, तर्क और समीक्षा करने जैसे कौशलों में छात्रों को निपुण करना है। इस पूरी प्रक्रिया में इन सभी कौशलों के उपयोग करने के लिये कक्षा स्तर पर शिक्षकों के द्वारा छात्रों को विविध अवसर दिये जाते है। भाषा शिक्षण की पूरी प्रक्रिया सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने के भाषाई कौशलों को विकसित करने पर केन्द्रित है। जिसके लिये विद्यालयों में आज भी प्रधान श्रोत पाठ्य पुस्तक ही है।

"मैं-करूं, हम-करें, तुम-करों" इस प्रक्रिया के लिये शिक्षक के द्वारा जो भी पाठ, अध्याय अवधारणा का अध्यापन करना है, उसके लिये उन्हें पहले से एक योजना निर्मित करनी पड़तीहै | किसी निश्चित पाठ के अध्यापन का मुख्य उद्देश्य क्या है ? वे बच्चों में इस पाठ के माध्यम से किन कौशलों को विकसित करना चाहते है? इसे वे स्पष्ट रूप से अपनी योजना में लिखते है। जैसे : इस पाठ की समाप्ति के उपरांत छात्र पाठ को पढ़ना सीख जायेंगे।
इस पाठ की समाप्ति के उपरांत छात्र पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।
पाठ के बारे में अपने विचार बोलेंगे पाठ की व्याख्या अपने शब्दों में करेंगे।

इस पूरी प्रक्रिया को कर ने के कुछ चरण है, जिसे शिक्षक अपने तरीके से सुनियोजित करता है साथ ही शुरू से अंत तक स्वयं की और बच्चों की उनके स्तर अनुरूप भूमिका सुनिश्चित करता है। **मैं करू प्रक्रिया :** पाठ को पढ़ाने से पूर्व पाठ के शीर्षक के बारे में पहेली, प्रश्न करता है। पाठ के नाम को बताकर इसमें किस के बारे में क्या बताया गया होगा ? इस पर बच्चों से अनुमान लगवातें है। कक्षा में पढ़ने के कुछ तरीकों से शुरुआत करता है। जैसे : किसी पाठ में शिक्षक स्वयं पूरे पाठको पढ़ता है और छात्रों से उसकी व्याख्या करवाता है।
किसी पाठ में शिक्षक छात्रों से पाठको समूह में पढ़ने के लिये कहतें है और उसकी व्याख्या समूह के और छात्रों से करवा्तें है।
किसी पाठ में शिक्षक छात्रों को मौन रूप से पूरे पाठको पढ़ने के लिये कहतें है फ़िर उसकी व्याख्या छात्रों से करवातें है।

इस प्रकार किसी पाठ को पढ़ाने की अलग अलग रणनीतियों को अपनाते हुए पाठ के अध्यापन की शैलियां सुनिश्चित करता है।
'हम करें प्रक्रिया :' शिक्षक द्वारा अध्यापन के तरीके को सुनिश्चित करने के पश्चात अगली प्रक्रिया पाठ की समझ को गहरा करने के लिये कुछ गतिविधियों का आयोजन करते हैं। इसके लिये बच्चों को कभी स्तर अनुरूप तो कभी मिश्रित उपसमूहों में विभाजित कर

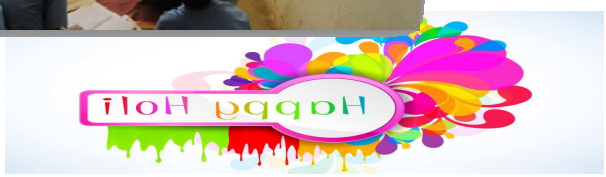

उन्हें कार्य देते है जैसे : छात्रों को स्तर अनुरूप गतिविधि देने के लिये शिक्षक को पूर्व तैयारी के रूप में छात्रों को उनके स्तर के अनुरूप विभाजित करना होगा। सभी उपसमूहों में एक ही कार्य दिया जाना चाहिये। जैसे : पढ़ायेग ये पाठ मे से कुछ शब्दों को खोजना और उनका उपयोग पाठ के जिस अंश में हुआ है उन वाक्यों को समूह में पढ़नाव उन शब्दों का उपयोग करते हुए वाक्य या कहानी निर्मित करने के लिये कहा जा सकता है। सभी समूहों में एक ही प्रकार का कार्य किये जाने के उपरांत सभी समूह के छात्र अपने कार्यों को प्रस्तुत करेंगे। इस प्रक्रिया में एक ही प्रकार का अवसर सभी छात्रों को प्राप्त होने पर भी छात्र काम का प्रदर्शन अपनी समझ के अनुरूप ही करेंगे परंतु इस प्रक्रिया में उनके अन्य सहपाठी जो प्रस्तुत करेंगे उससे उन्हें सीखने के अवसर प्राप्त होंगे| तुम करों प्रक्रिया : इस प्रक्रिया में शिक्षक छात्रों को व्यक्तिगत कार्य देते है। इसके लिये छात्रों से पाठ पर केन्द्रित कुछ प्रश्न निर्मित करने के लिये कहा जा सकता है। छात्रों द्वारा निर्मित प्रश्नों मे से प्रश्नों को चयनित कर शिक्षक छात्रों को उन्हें हल करने के लिये दे सकते है। शिक्षक छात्रों को पाठ आधारित कोई वर्ग पहेली, तथ्यात्मक प्रश्न, दो वाक्य के उत्तर लिखकर उनके प्रश्न निर्मित करना जैसे अभ्यास देकर पाठ की समझ को जानने का प्रयास किया जा सकता है।

शिक्षक द्वारा समेकन : इन तीनों चरणों को योजना बद्ध रूप से कक्षा में संपादित किये जाने के पश्चात शिक्षक पाठको अध्यापन कराने की शुरुआत कैसे की उसके पश्चात क्या गतिविधि समूह में किया उसके पश्चात कैसे प्रश्नों के उत्तर दिये इन सब पर पुनः चर्चा करते हुए पूरे पाठ की पुनः व्याख्या छात्रों के माध्यम से कराया जाना चाहिये।

इस पूरी प्रक्रिया का बच्चों के सीखने पर प्रभाव :

पठन सामग्री को विविध प्रक्रियाओं के द्वारा अर्थात कभी स्वयं के द्वारा पढकर कभी साथी छात्रों द्वारा पढ़े हुए को सुनकर, और शिक्षक द्वारा पढ़े हुए को सुनकर छात्रों को सामग्री को सुनने और उसे समझने के दो से तीन अवसर कक्षा स्तर पर प्राप्त होती है।

प्रस्तावित पाठ के लिये प्रश्न निर्माण करने की प्रक्रिया छात्रों को पाठ्य सामग्री पर पुनः चिंतन करने और प्रश्नों की प्रकृति व उस के हल करने के तरीकों को खोजने के लिये प्रेरित करती है।

पूरी प्रक्रिया से छात्रों की आपस में अंतः क्रिया बढती है छात्रों के साथ अधिक करीब से कार्य करने के कारण छात्रों का भी शिक्षक पर विश्वास और प्रेम बढ़ता है।

**अब निम्नलिखित प्रश्न पूछें –**

क्या हम अपनी कक्षा में इस क्रम में गतिविधियाँ आयोजित करते हैं ?

अपने रूचि के किसी विषय के किसी प्रकरण को इस तरीके से पढ़ाने के लिए एक-एक पाठ-योजना बनाएं |

उपरोक्त लेख सुश्री दीपिका शर्मा, लर्निंग लिंक फाउंडेशन की ओर से साभार प्राप्त हुआ है | उनकी संस्था व्दारा राज्य के पांच जिलों में चयनित शालाओं में इस विधा पर गंभीरतापूर्वक कार्य किया जा रहा है | डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत हमने एक दक्षता बच्चों को छोटे-छोटे समूह में बिठाकर शिक्षण देने की व्यवस्था को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं |

## एजेंडा पांच: ई-क्लासरूम्स-

राज्य में स्कूलों में अपने बल पर अपनी शाला में ई-क्लास चलाने की बीमारी या वायरस तेजी से फ़ैल रही है | रायपुर से श्री उत्तम देवांगन ने अपने इस प्रयास को सार्थक बनाते हुए ICT में राष्ट्रपति अवार्ड भी प्राप्त किया | जांजगीर के श्री राजेश सूर्यवंशी ने अपने व्यय से बच्चों को ई-क्लास का अनुभव दिलाने का कार्य हाल में प्रारंभ किया है | ऐसे कुछ और लोग जिन्होंने अपनी शाला में ई-क्लास प्रारंभ किया है, उनमे से केवल कुछ की जानकारी यहाँ दी जा रही है-



Jh lqjUnz dqekj e.MykbZ] l-f'k-i- 'kk-l-ikFk-'kkyk [kijh] ladqy dsUnz n/kyh] fodkl [k.M & MkS.Mhykgkjk] ftyk&ckykn] eksckby u- 9630704012



Jh 'kSyUnz dqekj lkuokuh] l-f'k-i- 'kk-l-ikFk-'kkyk jsxuh] ladqy dsUnz n/kyh] fodkl [k.M & MkS.Mhykgkjk] ftyk&ckykn] eksckby u- 7024888308





नाम राजेंद्र सिंह ठाकुर सहायक शिक्षक पंचायत शासकीय प्राथमिक शाला पिपरिया, संकुल केंद्र- राका, विकास खंड -डोंगरगढ़, जिला- राजनांदगाँव





ईश्वरी कुमार सिन्हा , सहा. शि. प. शासकीय प्राथमिक शाला चिटौद, संकुल-पुरूर गुरुर, जि.-बालद





शिक्षिका शुक्ला की शैक्षणिक व्यवस्था को देख जाहिर की खुशी

नवभारत रिपोर्टर | देवभोग.

पुष्पा शुक्ला, सहा. शि. प. शा.प्रा.शाला कचिर्या, दवभग जिला गरियाबंद

विकश यादव शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पाहंदा वि.ख.बला, जिला बमहतरा

## एजेंडा छह: शून्य निवेश नवाचार-

राज्य शासन स्कूल शिक्षा विभाग व्दारा माननीय मुख्यमंत्रीजी की उपस्थिति में फरवरी माह में श्री ओरोबिन्दो सोसाइटी, पुदुच्चेरी के साथ राज्य शिक्षा रूपांतर कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु एक समझौता किया गया है | इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक से लेकर हायर सेकंडरी तक शिक्षकों व्दारा किए जा रहे विभिन्न नवाचारों के दस्तावेजीकरण किए जाने की योजना है | आपमें से बहुतों ने अपने नवाचारों से हमें समय-समय पर अवगत कराने का प्रयास किया है | उन सबके लिए यह बेहतर अवसर है जिसमे उनके नवाचारों को दस्तावेजीकरण करने एक दल व्दारा उनकी शाला में अध्ययन किया जाएगा और योग्य पाए जाने पर उन्हें पुस्तक में शामिल किया जाएगा | तो अपने क्षेत्र में, अपनी शाला में शिक्षा गुणवत्ता सुधार हेतु बेहतर प्रयास जारी रखें, हम आपके पास नए सत्र में पहुँचने का प्रयास करेंगे | आपके द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयासों को हमारे साथ शेयर करते रहें | यहाँ इस संस्था व्दारा मुद्रित पुस्तक में से एक नवाचार "कामिक स्ट्रिप से पढाई" जो हम भी कर रहे हैं और उत्तर देश में भी हुआ है, की जानकारी दे रहे हैं | आशा है इससे आपको कुछ आइडिया मिल सकेगा |

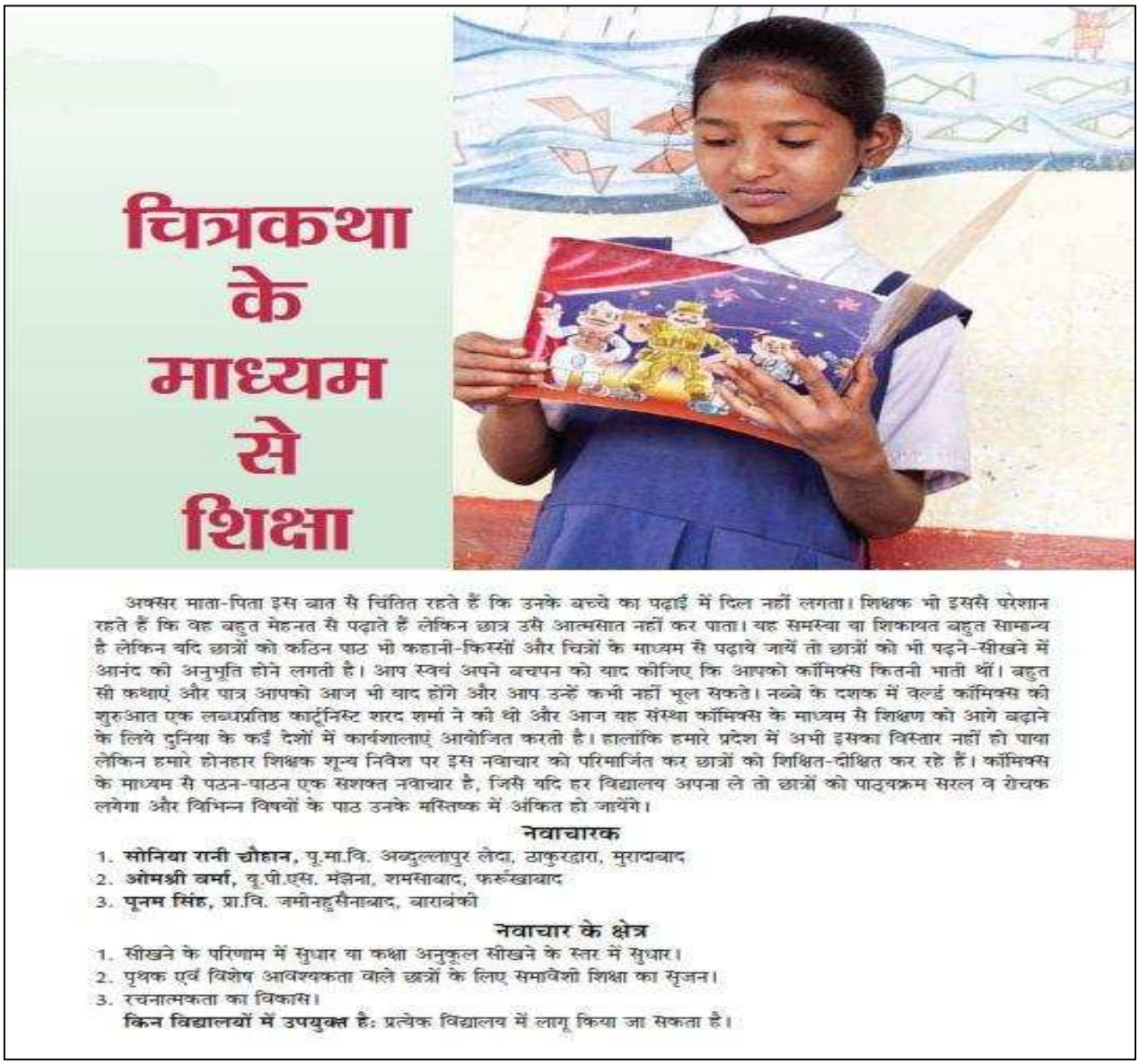


अक्सर माता-पिता इस बात से चिंतित रहते हैं कि उनके बच्चे का पढ़ाई में दिल नहीं लगता। शिक्षक भी इससे परेशान रहते हैं कि वह बहुत मेहनत से पढ़ाते हैं लेकिन छात्र उसे आत्मसात नहीं कर पाता। यह समस्या या शिकायत बहुत सामान्य है लेकिन यदि छात्रों को कठिन पाठ भी कहानी-किस्सों और चित्रों के माध्यम से पढ़ाये जायें तो छात्रों को भी पढ़ने-सीखने में आनंद की अनुभूति होने लगती है। आप स्वयं अपने बचपन को याद कीजिए कि आपको कॉमिक्स कितनी भाती थीं। बहुत सी कथाएं और पात्र आपको आज भी याद होंगे और आप उन्हें कभी नहीं भूल सकते। नब्बे के दशक में वर्ल्ड कॉमिक्स की शुरुआत एक लब्धप्रतिष्ठ कार्टूनिस्ट शरद शर्मा ने की थी और आज यह संस्था कॉमिक्स के माध्यम से शिक्षण को आगे बढ़ाने के लिये दुनिया के कई देशों में कार्यशालाएं आयोजित करती है। हालांकि हमारे प्रदेश में अभी इसका विस्तार नहीं हो पाया लेकिन हमारे होनहार शिक्षक शून्य निवेश पर इस नवाचार को परिमार्जित कर छात्रों को शिक्षित-दीक्षित कर रहे हैं। कॉमिक्स के माध्यम से पठन-पाठन एक सशक्त नवाचार है, जिसे यदि हर विद्यालय अपना ले तो छात्रों को पाठ्यक्रम सरल व रोचक लगेगा और विभिन्न विषयों के पाठ उनके मस्तिष्क में अंकित हो जायेंगे।

### नवाचारक

1. **सोनिया रानी चौहान,** पू.मा.वि. अब्दुल्लापुर लेदा, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद
2. **ओमश्री वर्मा,** यू.पी.एस. मंडेना, शमसाबाद, फर्रुखाबाद
3. **पूनम सिंह,** प्रा.वि. जमीनहुसैनाबाद, बाराबंकी

### नवाचार के क्षेत्र

1. सीखने के परिणाम में सुधार या कक्षा अनुकूल सीखने के स्तर में सुधार।
2. पृथक एवं विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा का सृजन।
3. रचनात्मकता का विकास।

**किन विद्यालयों में उपयुक्त है:** प्रत्येक विद्यालय में लागू किया जा सकता है।

दुःख का अधिकार
क्यों भाई ! क्या हो गया है?
भगवाना के अंतिम संस्कार हेतु घर का सब कुछ खत्म हो गया था। बच्चों को भूख से बिलबिलाता देख उन्होंने उन्हें खाने के लिए खरबूजे दिए पर बुखार से तपती बहू के इलाज के लिए कौन उधार देता। इसलिए रो-रो कर बुढ़िया खरबूजे डलिया में समेट कर बाजार आ गयी थी।
अरे, ये कैसी रीति है ........
पड़ोस की सम्भ्रान्त महिला के पुत्र की मृत्यु होने पर वह ढाई महीने तक पलंग से उठ भी न सकी थी। हर पन्द्रह-पन्द्रह मिनट पर मूर्छा आ जाती थी। और एक ये हैं। सच, क्या इन्हें दुःख का भी अधिकार नहीं।

Happy Holi

## नवाचार का सार

1. बहुत से छात्र-छात्राओं को कुछ विषय जटिल या बोझिल लगते हैं। इसके चलते इन विषयों को रोचक बनाने हेतु चित्रों एवं कॉमिक्स का रूप दिया जाता है, जहां चित्रों एवं संवाद को परस्पर जोड़कर छात्र के ज्ञान को स्थायी बनाया जाता है। इससे सीखने की प्रक्रिया सरल हो जाती है।
2. यह आवश्यक नहीं कि हर अध्यापक अपने को चित्र व स्केच बनाने में सहज महसूस करें। कॉमिक्स के किरदारों के चित्रण के लिये बाहर से सामग्री भी उपलब्ध है।

**क्रियान्वयन :** स्केच व चित्र बनाने की प्रक्रिया को और सरल बनाने के लिये स्टीकर, स्टेन्सिल भी उपलब्ध रहते हैं। आवश्यक चित्र पुरानी किताबों व समाचार पत्रों से भी लिये जा सकते हैं।

**सामग्री :** ए4 साइज पेपर/चार्ट पेपर पेंसिल-रबर, स्केल ब्लैक पैन, स्केच-पैन

**चरण-1**

1. संबंधित प्रकरण को 2-3 बार पढ़ें।
2. प्रकरण को चार भागों में (कहानी या मुख्य बातों के आधार पर) विभाजित करें।
3. प्रकरण पाठ के मुख्य पात्रों एवं उद्देश्यों को चिन्हित करें।
4. प्रत्येक भाग के संदर्भ को संवाद के रूप में परिवर्तित करें।

**चरण-2**

5. ए4 साइज के 2 पेपर या चार्ट लेकर उनमें 4 बॉक्स बनायें।
6. चार भाग में बांटी गयी कहानी के पात्रों को चित्र के रूप में दर्शाएं।
7. ऊपरी हिस्से में संवाद लिखें।
8. चित्र व भाव किस प्रकार सरलता से प्रकट किये जा सकते हैं, इसको विस्तार से ऊपर दिये गये चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है।

**चरण- 3**

1. छात्रों को पाठ से पूर्व सम्बंधित चित्रों को दिखायें।
2. छात्रों को प्रश्न पूछने एवं उत्तर देने का अवसर दें।
3. चित्र देखकर समूह-चर्चा को प्रोत्साहित करें।
4. चित्र निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें।

**नवाचार के लाभ**

1. छात्रों में रचनात्मकता व बोधगम्यता का विकास।
2. नीरस विषयों को रोचक बनाने में सहायक।
3. छात्रों की उत्सुकता को एक सकारात्मक रूप देना।

**नोट:**

1. छात्रों को भविष्य में छोटी-छोटी रोचक कहानी सुनाकर उन्हें चित्र बनाने को कहें। उन्हें इन चित्रों के संवाद लिखने को भी कहा जा सकता है।
2. भावों से युक्त चेहरे बनाने का अवसर दें।
3. छात्रों द्वारा सृजित कला एवं संवादों को शिक्षण में प्रयोग कर उनका उत्साहवर्धन करें। ■

## एजेंडा सात: शाला प्रबन्धन समिति व्दारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का दस्तावेजीकरण

राज्य में शाला प्रबन्धन समिति एवं समुदाय व्दारा स्कूलों में गुणवत्ता सुधार हेतु विभिन्न जिलों में विभिन्न मुद्दों में सक्रिय सहयोग दिया जा रहा है | ऐसे अच्छे उल्लेखनीय प्रयासों का राज्य स्तर पर दस्तावेजीकरण किया जा रहा है | ऐसे कार्यों के बारे में संक्षिप्त में एक पेज में एक दो फोटोग्राफ के साथ समुदाय व्दारा किए गए कार्य, उनके प्रयासों से शाला में आए दिखने योग्य स्पष्ट सुधार एवं आगे की योजना हमें लिख भेजें | साथ में यदि समाचार पत्रों की कतरनें, वीडियो क्लिप्स आदि हों तो बेहतर होगा | ये सभी जानकारी आप हमें 9425507257 पर मार्च महीने में व्हात्सेप्प कर सकते हैं |

समुदाय व्दारा शाला में सहयोग के कुछ क्षेत्र इस प्रकार हो सकते हैं –

- बच्चों के नामांकन एवं नियमित उपस्थिति / शिक्षकों की उपस्थिति एवं अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था
- शालाओं का सामाजिक अंकेक्षण विशेषकर क्वालिटी ओडिट, सुधार के क्षेत्रों में आवश्यक पहल कर सहयोग
- माताओं की सक्रियता, पढाई में ध्यान एवं नियमित रूप से शिक्षकों से अपने बच्चों की स्थिति की पूछताछ
- बालिका शिक्षा, वंचित वर्गों की शिक्षा एवं दिव्यांग बच्चों के शिक्षा में सहयोग हेतु किए जा रहे प्रयास
- शिक्षा में सुधार हेतु शिक्षकों/ बच्चों को आवश्यक संसाधन सहयोग एवं बेहतर शिक्षण व्यवस्था

आशा है आप अपने समुदाय के प्रयासों से हमें अवश्य अवगत कराएंगे |

## एजेंडा आठ: ग्रीष्मावकाश में बच्चों के लिए कार्य-

माह मार्च के बाद अब चर्चा पत्र आपको जून में ही मिल सकेगा | इस बीच हम व्हाट्सएप्प के माध्यम से संपर्क में रह सकेंगे | साथ ही यदि आपको अपने संकुल में कुछ बेहतर करना हो तो इनमे से कुछ कार्य की जिम्मेदारी आप ले सकते हैं -

- अपने संकुल के कुछ स्कूल जिसमें परीक्षा के दिनों के आसपास गाँव में ही किसी एक जगह पर बच्चों को बिठाकर उन्हें अभ्यास करने एवं परीक्षा की तैयारी करने की सुविधा यदि आप समुदाय के सहयोग से दिलवा सकें तो ऐसे स्कूल जिसमे समुदाय एवं शिक्षकों के सहयोग से पढाई के लिए अतिरिक्त ध्यान दिया गया और ऐसे स्कूल जिसमे ऐसा कोई प्रयास न करते हुए पूरी जिम्मेदारी बच्चों पर छोड़ दी, दोनों स्कूलों में बच्चों के परीक्षा परिणाम देखें | क्या ऐसे थोड़े से प्रयास से कुछ फर्क आ रहा है ? अनुभव लिख भेजें |
- न्यूपा, नई दिल्ली व्दारा http://www.nuepa.org/1000schools/Default.html वेबसाईट उपलब्ध कराई गयी है | यदि आप अपने स्कूल को बेहतर स्कूल मानते हैं तो आप इस वेबसाईट में अपने स्कूल की जानकारी एवं फोटो अपलोड कर सकते हैं |
- बच्चे ग्रीष्मावकाश में खूब समय स्थानीय खेल खेलने में बिताएंगे | क्या हम उन्हें अवकाश देने से पहले इन खेलों के दौरान कुछ शब्द अंग्रेजी में सिखा कर तैयार कर सकते हैं ? खेलते खेलते इन शब्दों का उपयोग करते करते उनमे इन शब्दों के उपयोग के साथ-साथ बोलने में आत्मविश्वास भी बढ़ सकेगा | गिल्ली-डंडा, पिट्ठूल जैसे खेलों में आप कम से कम दस शब्द निकाल कर बच्चों को सिखा सकते हो |
- बच्चों को समुदाय के सहयोग से कुछ अतिथि शिक्षक की व्यवस्था करते हुए ग्रीष्मावकाश के दौरान बेसिक्स सिखाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करते हुए शिक्षक को तैयार किया जा सकता है |
- प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था संकुल में कर सकते हैं |
- बच्चों की पुरानी पुस्तकें वापस लेकर स्कूल में एक प्रति बच्चों के उपयोग के लिए रखी जा सकती है |

**एजेंडा नौ: प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी से अपेक्षाएं-**

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत हमने राज्य में शिक्षकों को एक दूसरे से सीखने एवं अच्छी बातों को साझा करने हेतु प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन किया है | गत शिक्षक प्रशिक्षण की जिम्मेदारी भी पीएलसी को सौंपी गयी थी | एस.सी.ई.आर.टी. व्दारा भी पीएलसी को राज्य स्तरीय मोटिवेशनल सम्मेलनों में आमंत्रित किया गया था | जिलों में पीएलसी से निम्नलिखित अपेक्षाएं हैं ताकि हम इस संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान कर सकें –

१. ग्रीष्मावकाश के पूर्व संकुल/ विकासखंड एवं जिले स्तर पर विभिन्न विषयों के लिए प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन कर लेवें एवं इन पीएलसी का रजिस्ट्रेशन करते हुए प्रत्येक पीएलसी अपना अपना मिशन स्टेटमेंट भी बना लेवें ताकि वे अपने उद्देश्य से न भटकने पाएं |

२. सभी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी अपने अपने क्षेत्र में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए आवश्यक तैयारी करें एवं कठिन अवधारणाओं पर रुचिकर, सार्थक एवं स्थानीय परिवेश के अनुरूप आवश्यक सामग्री निर्मित कर शिक्षकों के साथ शेयर करने एवं उनके क्षमता विकास की दिशा में सार्थक योगदान देवें |

३. आगामी सत्र से सभी शिक्षकों को सीधे आपके माध्यम से चर्चा पत्र एवं अन्य जानकारियाँ मिल सके, इस हेतु संकुल एवं विकासखंड स्तर पर बेहतर नेटवर्क बनाकर आवश्यक तैयारी रखें ताकि आपको भेजे जाने पर आपके माध्यम से सीधे निचले स्तर तक सभी सूचनाएं पहुँच सके और वे बैठक के पूर्व पढ़कर आवश्यक तैयारी कर सकें |

४. राज्य स्तर से इस बार कोइ व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएंगे | इसलिए विकासखंड एवं संकुल स्तर पर ही शिक्षकों का क्षमता विकास आप अपने सक्रिय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से कक्षा अध्यापन में बिना व्यवधान डालें कर लेवे | पीएलसी व्दारा तैयार की जा रहे कुछ कार्यक्रम इस प्रकार हो सकते हैं –

भाषा के पीएलसी- बच्चों में भाषा विकास/ स्थानीय भाषा का उपयोग, समझ के साथ पढ़ना
गणित पीएलसी- गणितीय कौशल, अभ्यास सामग्री, बेसिक्स में सुधार एवं स्पष्टता
विज्ञान पीएलसी – कबाड़ से जुगाड़, विज्ञान के प्रयोग, अवधारणाओं को स्पष्ट करना
सामाजिक अध्ययन- कैसे विषय को रुचिकर बनाएं, करके दिखाने के क्षेत्र, प्रयोग, सहायक सामग्री का उपयोग

५. राज्य शासन व्दारा हाल ही में सोशियल मीडिया के उपयोग पर दिशानिर्देश तैयार कर भेजे गए हैं | किसी भी स्थिति में इसका दुरुपयोग अथवा अनावश्यक बातों में समय बर्बाद न करते हुए इसका पूरी तरह से शैक्षिक कार्यों को साझा करने हेतु ही उपयोग किया जाए |

## एजेंडा दस: चलते चलते –

दूसरे वर्ष के अंतिम चर्चा पत्र को आपको सौंपते हुए आपसे कुछ अनुरोध किया जाना है | हमने गत दो सत्रों में प्रत्येक माह नियमित रूप से समय पर चर्चा पत्र आप तक पहुंचाने का प्रयास किया है | अगले वर्ष संकुल की बैठकों में कुछ आमूल-चूल परिवर्तन की संभावना है | आगामी सत्र में शिक्षकों को अधिकतम समय कक्षा अध्यापन में देना होगा | शिक्षक प्रशिक्षण एवं शाला से बाहर के कार्यों को सत्र प्रारंभ होने के पूर्व कर लिया जाना होगा ताकि कक्षाएं प्रभावित न हो सके | चर्चा पत्र के स्वरुप में भी परिवर्तन हो सकता है | जिलों से आलेख लेने हेतु कुछ ठोस व्यवस्था करनी होगी | संकुल समन्वयकों को शाला में उपस्थित होकर शिक्षकों को एक मेंटर के रूप में मार्गदर्शन देने के काबिल अपने आपको तैयार करना होगा | आपके सभी के साथ यह यात्रा बड़ी रोचक रही | हम सब ने एक साथ मिलकर राज्य में कुछ अच्छा करने, बेहतर शैक्षिक वातावरण बनाने का प्रयास किया | कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं-

- शिक्षकों ने अपने प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन किया और पहली बार डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी को शिक्षक प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गयी |
- राज्य की आधिकांश शालाओं में शिक्षकों ने स्व-स्फूर्त होकर माताओं का उन्मुखीकरण का कार्य संपन्न किया |
- स्वच्छ विद्यालय के लिए आनलाइन आवेदन भेजने में हमारा राज्य पूरे देश में पहले नबंर में रहा |
- मिशन स्टेटमेंट की प्रविष्टि भी आनलाइन करने में शीघ्र हमारा राज्य बहुत आगे निकल जाएगा | तीन दिनों के भीतर ही हजार स्कूलों ने अपना मिशन स्टेटमेंट आनलाइन कर लिया है और उसे प्राप्त करने हेतु प्रयासरत हैं |
- राज्य से बहुत बड़ी संख्या में शिक्षकों ने mygov.in व्दारा आयोजित क्विज में शामिल होकर सर्टिफिकेट प्राप्त किया |
- बिलासपुर, बस्तर एवं दुर्ग जिले में चर्चा पत्र जैसे अपने न्यूजलेटर निकलना प्रारंभ हुआ |
- बस्तर जिले में विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए एक ही दिन में 35 हजार से अधिक प्रयोग किए गए|
- इग्नाईट अवार्ड के लिए व्यापक प्रचार किया गया | देश में कुल 28 में से 3 हमारे राज्य से चयनित हुए |
- भाषा के सर्टिफिकेट पत्राचार कोर्स में देश के शिक्षकों में से प्रथम स्थान हमारे राज्य के महासमुंद जिले के शिक्षक श्री ओम नारायण शर्मा को प्राप्त हुआ |
- राज्य में बहुत सारे स्कूलों में मातृभाषा दिवस आयोजित किया गया | इस दिन आयोजित क्विज प्रतियोगिता में देश भर के शिक्षकों में प्रथम स्थान बालोद जिले के श्री ईश्वरी प्रसाद सिन्हा एवं द्वितीय स्थान भी हमारे राज्य के दुर्ग जिले के श्रीमती राजपाल कौर को प्राप्त हुआ |
- राज्य के पांच जिलों में लर्निंग लिंक फाउंडेशन व्दारा चलाए जा रहे दिशा परियोजना से कुल 15 बेहतर सीखने में इच्छुक शिक्षकों को पुणे एवं बेंगलुरु प्रवास पर ले जाया जा रहा है |
- समुदाय का शालाओं में गुणवत्ता सुधार हेतु सहयोग के लिए तैयार की जा रही संदर्शिका लेखन में हमने सीधे प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का सहयोग लिया और तीन दिनों के भीतर संदर्शिका तैयार कर ली |
- शिक्षकों को विभिन्न विषयों में संगोष्ठी के आयोजन हेतु सुझाव देते हुए आवश्यक समर्थन प्रदान किया गया |
- अपनी शाला में सीखने के वातावरण बनाने हेतु भी ढेरों सुझाव दी गए जिसके अनुरूप बहुत सी शालाओं ने आवश्यक परिवर्तन कर सीखने के लिए आवश्यक वातावरण तैयार किया |

**जाते जाते पुनः आप सभी को होली की असीम शुभकामनाएं और पानी रहित होली के लिए अग्रिम बधाई !**